SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
CENTRE FOR DISTANCE EDUCATION

Vision:

Developing human resource required for the Knowledge Society.

Mission:

Disseminate and facilitate Higher Education to marginalized and deprived masses.

Programme Objectives

प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।

युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृतियों से परिचित कराना।

प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना।

पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना।

साहित्येतिहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्व से परिचित कराना।

प्राचीन या आदिकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।

मध्यकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।

प्राचीन या आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना ।

मध्यकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।

प्राचीन या आदिकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों का अध्ययन कराना।

मध्यकालीन विविध काव्यधारों का अध्ययन कराना।

मध्यकालीन रचनाओं तथा उनकें काव्यरूपों, शैलियों का अध्ययन कराना।

Course out line :

प्रवेश पात्रता

१. कोणत्याही मान्यताप्राप्त विद्यापीठाचे हिंदी विषयातील पदवीधर एम.ए. हिंदी साठी प्रवेश घेण्यास पात्र ठरतात. किंवा

२. इतर विद्यापीठाची पदवी शिवाजी विद्यापीठाच्या पदवीस समकक्ष असली पाहिजे. किंवा

३. बी.ए.पदवी साठी हिंदी विषय नसलेल्या पण एम.ए.मराठी विषयास प्रवेश घेणा—या विद्यार्थ्यांचा बी.ए.भाग २ साठी हिंदीया ऐच्छिक विषयातून ३००गुणांची थेअरी पेपर उत्तीर्ण होणे आवश्यक आहे. किंवा

४. वरील नियम ज्यांना लागू होत नाहीत अशा सर्व पदवीधर एम.ए. १ ला प्रवेश घेणार आहेत त्यांनी Change in Faculty ची १०० गुणांची परीक्षा द्यावी लागेल व त्यात उत्तीर्ण होण्यासाठी कमीत कमी ४५गुण असणे आवश्यक आहे. किंवा

५. ज्या विद्यार्थ्यांनी भाषा विषयातून एम.ए.ची पदवी घेतली आहे. ते विद्यार्थी इतर भाषा विषयातून एम.ए.साठी प्रवेश घेण्यात पात्र ठरतात.

अभ्यासक्रम

एम.ए. हिंदी साठी प्रवेश घेणा–या विद्यार्थ्यांनी http://www.unishivaji.ac.in/syllabusnew/Faculty-of-Humanities या लिंकवरून अभ्यासक्रमाबाबत अधिकची माहिती घ्यावी.

प्रवेशासाठी आवश्यक कागदपत्रे

१. शाळा सोडल्याचा दाखला

२. पदवीचे गुणपत्रक

३. पदवी नंतर काही कोर्स केले असतील तर त्याची प्रमाणपत्रे

४. नावात बदल असल्याचा त्याचा सक्षम पुरावा

Course Structure :

एम.ए. हिंदी हा अभ्यासक्रम दोन वर्षाचा आणि एकूण चार सत्रांचा आहे. एम.एम.सी.बी.सीए अभ्यासक्रमामध्ये एकूण ६४ क्रेडिस असून सत्रनिहाय १६ क्रेडिसची विभागणी करण्यात आली आहे. आणि प्रत्येक पेपरला चार क्रेडिटस दिले आहेत.

प्रत्येक सत्रामध्ये दोन पेपर आवश्यक तर पाच पेपर ऐच्छिक आहेत. या पाच ऐच्छिक पेपर पैकी कोणतेही दोन ऐच्छिक पेपर असे एकूण चार पेपर विद्यार्थ्याने निवडावयाचे ओहत.

Passing Criteria :

एम.ए. साठी सत्रनिहाय प्रत्येक पेपर हा १०० गुणांचा असून यामध्ये ८० गुणांची लेखी परीक्षा तर २० गुणांचे स्वाध्याय गुण आहेत. लेखी परीक्षेमध्ये किमान ३२ आणि स्वाध्याय गुणांमध्ये किमान ०८ असे ४० गुण उत्तीर्ण होण्यासाठी आवश्यक आहेत.

Fee Structure

<table>
<tr><th colspan="6">Fresh Students Fee Structure for the Year 2020-21</th></tr>
<tr><th rowspan="2">S.N.</th><th colspan="3" rowspan="2">Particulars</th><th colspan="2">M.A.
(Hindi)</th></tr>
<tr><th>Sem I & II</th><th>Sem III & IV</th></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="3">Registration Fee</td><td>1690</td><td>1690</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="3">S.I.M. Fee</td><td>1405</td><td>1405</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="3">Exam Fee (Oct/Nov 2020 Exam)</td><td>605</td><td>605</td></tr>
<tr><td>4</td><td colspan="3">Exam Fee (Mar/ Apr 2021Exam)</td><td>605</td><td>605</td></tr>
<tr><td>5</td><td colspan="3">Cost of Application Form</td><td>20</td><td>20</td></tr>
<tr><td>6</td><td colspan="3">Study Centre Fee</td><td>845</td><td>845</td></tr>
<tr><td>7</td><td colspan="3">Prospectus Charges</td><td>20</td><td>20</td></tr>
<tr><td>8</td><td colspan="3">E-Facility Fee</td><td>50</td><td>50</td></tr>
<tr><td>9</td><td colspan="3">Environment Studies Exam Fee (Mar/Apr 2019)</td><td>0</td><td>0</td></tr>
<tr><td>10</td><td colspan="3">Dhwaj Nidhi</td><td>10</td><td>10</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Total of 1 to 10</td><td>5250</td><td>5250</td></tr>
<tr><td colspan="4"></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td rowspan="7">11</td><td rowspan="7">*Eligibility Fee</td><td>a</td><td>Maharashtra State Board / Student of Shivaji University</td><td>50</td><td>0</td></tr>
<tr><td colspan="2"></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>b</td><td>B.Ed / D.Ed</td><td>--</td><td>--</td></tr>
<tr><td colspan="2"></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>c</td><td>Other than Maharashtra State Board / Student of Other University</td><td>100</td><td>0</td></tr>
<tr><td colspan="2"></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>d</td><td>NRI / Foreign</td><td>500</td><td>0</td></tr>
<tr><td colspan="4"></td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>12</td><td colspan="3">Late Fee</td><td>50</td><td>50</td></tr>
<tr><td>13</td><td colspan="3">Super Late Fee</td><td>350</td><td>350</td></tr>
</table>

Course :

M.A. (Hindi)

Course Outcomes

M.A. I Sem I

भाषिक प्राचीन तथा निर्गुण भक्ति काव्य

प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।

युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृतियों से परिचित कराना।

प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना।

पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना।

हिंदी साहित्य का इतिहास I

साहित्येतिहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्व से परिचित कराना।

प्राचीन या आदिकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।

मध्यकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।

प्राचीन या आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना ।

मध्यकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।

प्राचीन या आदिकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों का अध्ययन कराना।

मध्यकालीन विविध काव्यधारों का अध्ययन कराना।

मध्यकालीन रचनाओं तथा उनकें काव्यरूपों, शैलियों का अध्ययन कराना।

भाषा विज्ञान I

भाषा के स्वरूप तथा भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।

भाषा विज्ञान के इतिहास का अध्ययन कराना।

भाषाविज्ञान का स्वरूप तथा भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं से परिचित कराना।

हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि से परिचित कराना।

हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित कराना।

हिंदी कथा साहित्य I

उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासो का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
नाटककार तथा उनकी नाट्यकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
युगीन परिवेश तथा नाट्य–विकास, प्रवृत्तियों–विशेषताओं से परिचित कराना।
वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्व से परिचित कराना।

युगीन परिवेश तथा उपन्यास, नाटक कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियों–विशेषताओं से परिचित कराना।

M.A. I Sem II

सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

छात्रों को मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।
युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृतियों से परिचित कराना।
प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
वर्तमान काल में पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना।

हिंदी साहित्य का इतिहास II

आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के युगीन परिवेश का अध्ययन कराना।
आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य की (काव्य और गद्य) विभिन्न विधाओं तथा उनके विकास का अध्ययन कराना।
आधुनिक कालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
प्रमुख (काव्य और गद्य) रचनाओं का अध्ययन कराना।

भाषा विज्ञान II

भाषा विज्ञान की विविध शाखाओं से परिचित कराना।
ध्वनि तथा ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाओं से परिचित कराना।
पद के स्वरूप का अध्ययन कराना।
अर्थ और उसके परिवर्तन के कारणों का अध्ययन कराना।
वाक्य में पदक्रम, भेद तथा परिवर्तन के कारणों से परिचित कराना।

हिंदी कथा साहित्य II

उपन्यासकार तथा उनकें उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
नाटककार तथा उनकी नाट्यकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
एकांकीकार तथा उनके एकांकी साहित्य से परिचित कराना और एकांकियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
युगीन परिवेश तथा नाट्य–विकास, प्रवृत्तियो–विशेषताओं से परिचित कराना।
वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्व से परिचित कराना।
युगीन परिवेश तथा उपन्यास, नाटक, एकांकी, कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियों–विशेषताओं से परिचित कराना।

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

HINDI BOARD OF SYUDIES
हिंदी अध्ययन मण्डल

M. A. Part I
एम. ए. भाग I

Semester I / II
सत्र परीक्षा I / II

New Syllabus
नवीन पाठ्यक्रम

(New Syllabus: Semester, Credit and CBCS System)

(Subject to the modification to be made time to time)

(नवीन पाठ्यक्रम : सत्र परीक्षा, श्रेणी तथा सीबीसीएस प्रणाली)

(समय - समय पर परिवर्तन संभव है)

June, 2017

जून, 2017

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मण्डल

एम. ए. हिन्दी भाग I सत्र I, II

पाठ्यक्रम

आज हिंदी विश्व भाषा के पद पर विराजित है। हिंदी के विश्वव्यापी स्वरूप को ध्यान में लेते हुए स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षित,आत्मनिर्भर तथा रोजगारोन्मुख करना आवश्यक है। सूचना क्रांति के जमाने में हिंदी अंतरताना (इंटरनेट) पर अपना अधिकार जमा चुकी है। हिंदी अत्यंत संपन्न भाषा है। हिदी का साहित्य समृद्ध है। हिंदी ने साहित्य और समाज के बीच के रिश्ते की अहमियत बनाए रखी है। इन सारी बातों पर गंभीरता से विचार कर एम.ए. का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रस्तुत है।

आज भारत के बाहर लगभग 154 देशों में हिंदी पढाई जाती है। प्रवासी भारतीयों के साथ विदेशों के स्थानीय छात्र भी हिंदी का अध्ययन करते हैं। हमारे छात्रों को विदेशों में भी नौकरी की संभावनाएँ हैं। आज अनेक सॉफ्टवेयर्स तैयार किए गए हैं। एम.ए. हिंदी के छात्र हिंदी भाषा तथा साहित्य के सभी पारंपरिक स्वरूप तथा उनकी विशेषताओं एवं साहित्य- कृतियों के साथ-साथ उसके अधुनातन स्वरूप, आयामों से परिचित होंगे और बेहतर भविष्य की सभी संभावनाओं को लेकर चलेंगे, इस हेतु से यह प्रस्तुत किया गया है। हिंदी के वैश्विक स्थान और उसके प्रचार-प्रसारादि के कारण छात्रों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे।

छात्रों को प्राचीन काल से लेकर आज तक के हिंदी साहित्य से परिचित कराना, उसकी उपयोगिता तथा प्रासंगिकता की जानकारी देना, तत्कालीन परिवेश, प्रमुख कवि तथा साहित्यकारों की रचनाओं की जानकारी देना उद्देश्य रहा है। हिंदी भाषा, लगभग ग्यारह सौ वर्षों के हिंदी साहित्य का इतिहास, भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा की समग्र जानकारी करा देना, हिंदी कथा और कथेतर साहित्य की विधाओं का परिचय तथा उसके अध्ययन के लिए समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित कराना, साथ ही हिंदी के विविध व्यावहारिक स्वरूप तथा प्रयोग का ज्ञान कराना उद्देश्य रहा है। मनुष्य जीवन तथा ज्ञान-विज्ञान के अनेक क्षेत्रों - भाषा प्रौद्योगिकी और हिंदी के अंत:संबंधों की जानकारी कराना भी उद्देश्य रहा है। संगणक क्षेत्र, बैंकिंग, वैद्यक आदि अनेक क्षेत्रों में हिंदी का अद्वितीय स्थान है। आज विश्व साहित्य की संकल्पना इतनी विकसित हुई है कि विश्व साहित्य संकल्पना से 'अनुवाद' शब्द भी गहराई से जुडता गया। इन सभी बातों को केंद्र में रखकर छात्रोपयोगी एम.ए. पाठ्यक्रम प्रस्तुत है।

पाठ्यक्रम शीर्षक : एम.ए. हिंदी

पात्रता : प्रस्तुत पाठ्यक्रम में शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के बी.ए. हिंदी उत्तीर्ण छात्र तथा दूसरे विश्वविद्यालयों के और विदेशी छात्र जो बी.ए. द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हों वे प्रवेश ले सकते हैं। बी.एस्सी, बी.कॉम, बी.ए., बी.एड. के छात्र अध्ययन क्षेत्र परिवर्तन हेतु प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया : पात्र छात्रों की गुणवत्ता सूची शिवाजी विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.unishivaji.ac.in पर दी जाएगी तथा केन्द्रों की प्रवेश प्रक्रिया महाविद्यालयों के अधीन होगी ।

विद्यार्थी संख्या क्षमता:

कुल 60 छात्र खुला+आरक्षित=27+27 छात्र अन्य विश्वविद्यालय=06(10%) (50%+50%)-हिंदी अधिविभाग के लिए

पाठ्यक्रम की अवधि :

चार सत्र परीक्षाओं के दो वर्ष

प्रत्येक सत्र की अवधि छः महीने

सत्र परीक्षा I और III जून से नवम्बर और सत्र परीक्षा II और IV दिसंबर से मई

अध्यापक :

- हिंदी विभाग के सभी अध्यापक,अभ्यागत अध्यापक
- अन्य विश्वविद्यालय से आमंत्रित विशेषज्ञ
- शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर से जुडे अवकाशप्राप्त तथा कार्यरत आमंत्रित अध्यापक

पाठ्यक्रम अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान
- संगोष्ठी-चर्चासत्र
- दृक-श्राव्य माध्यमों-साधनों का प्रयोग
- विद्वानों के व्याख्यान

प्रश्नपत्र का स्वरूप :

- प्रत्येक सत्र परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 80 अंक प्रश्नपत्र के और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के रहेंगे।

  सत्र I और सत्र II- निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन - मौखिक परीक्षा

  सत्र III और IV- निरंतर अंतर्गत मूल्यांकन - गृहपाठ/संगोष्ठी/शोधालेख/प्रायोगिक कार्य प्रस्तुति
- मूल्यांकन श्रेणी पद्धति से होगा।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 इकाइयों (unit) का होगा।
- प्रत्येक इकाई के 15 व्याख्यान रहेंगे। प्रत्येक इकाई के 15 व्याख्यान का 1 क्रेडिट होगा।
- प्रत्येक सत्र परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। उसमें प्रथम तीन बीज प्रश्नपत्र। चतुर्थ प्रश्नपत्र के 5 विकल्प होंगे और उनमें से छात्र अपनी रुचि से किसी एक का चयन कर सकता है। यदि IV अ का चयन किया गया तो VIII अ XII अ तथा XVI अ प्रश्नपत्र का चयन ही करना चाहिए। इस प्रकार अन्य विकल्पों का चयन करना होगा ।

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

M. A. Hindi Course (New Syllabus: Semester, Credit and CBCS System)

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम (नवीन पाठ्यक्रम : सत्र परीक्षा, श्रेणी तथा सीबीसीएस प्रणाली)

M.A Part I - एम.ए भाग I **Each semester marks: 400**

Semester I - सत्र I

Paper I - प्रश्नपत्र I: प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य

Paper II - प्रश्नपत्र II: हिंदी साहित्य का इतिहास I

Paper III - प्रश्नपत्र III: भाषा विज्ञान I

Paper IV - प्रश्नपत्र IV: अ. भाषा प्रौद्योगिकी I

ब. अनुवाद प्रौद्योगिकी I

क. हिंदी कथा साहित्य I

ड. हिंदी व्याकरण, मानक लेखन तथा मुद्रित शोधन I

इ. हिंदी संप्रेषण कौशल

Semester II - सत्र II

Paper V - प्रश्नपत्र V: सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

Paper VI - प्रश्नपत्र VI: हिंदी साहित्य का इतिहास II

Paper VII - प्रश्नपत्र VII: भाषा विज्ञान II

Paper VIII - प्रश्नपत्र VIII: अ. भाषा प्रौद्योगिकी II

ब. अनुवाद प्रौद्योगिकी II

क. हिंदी कथा साहित्य II

ड. हिंदी व्याकरण, मानक लेखन तथा मुद्रित शोधन II

इ. पटकथा लेखन तथा लघुपट निर्माण

एम.ए. भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper I प्रश्नपत्र I

बीज प्रश्नपत्र

प्राचीन तथा निर्गुण भक्ति काव्य

उद्देश्य:

- प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- पाठ्यपुस्तक : 'पृथ्वीराज रासो' : कवि चंदवरदायी, संपादक- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवरसिंह
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण: 'बानवेध समय'
- पाठ्यविषय :
    - कवि चंदवरदायी : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
    - कवि चंदवरदायी कालीन परिस्थितियाँ ,काव्य प्रवृत्तियाँ
    - 'पृथ्वीराज रासो' : समग्र अध्ययन

Unit II इकाई II

- पाठ्यपुस्तक : 'पदावली' : कवि विद्यापति, संपादक- रामवृक्ष बेनीपुरी
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : नोंक-झोंक, वसंत के पद
- पाठ्यविषय :
    - कवि विद्यापति : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
    - कवि विद्यापति कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ
    - 'विद्यापति पदावली' : समग्र अध्ययन

Unit III इकाई III

- पाठ्यपुस्तक : 'कबीर', संपादक - हजारीप्रसाद द्विवेदी
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण-क्र.1,22,28,39,43,55,67,103,130,134,162,165,176,177,197,199,209,224,234,247
- पाठ्यविषय :
    - कबीर : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
    - कबीर कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा : स्वरूप
    - कबीर : समग्र अध्ययन

Unit IV इकाई IV

- पाठ्यपुस्तक : 'पद्मावत' : कवि जायसी, संपादक - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण- 'नागमति वियोग वर्णन' खंड
- पाठ्यविषय :
  - जायसी : जीवन तथा रचनात्मक परिचय
  - जायसी कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा : स्वरूप
  - 'पद्मावत' : समग्र अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. नामवर सिंह, पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली द्वि.सं.2007.
- डॉ. सिंह कुंवरपाल, भक्ति आंदोलन और लोकसंस्कृति, अनंग प्रकाशन, दिल्ली 2002
- डॉ. सिंह शिवप्रसाद, विद्यापति, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद, 13 वां.स. 2000
- डॉ. मिश्र उमेश, विद्यापति ठाकुर, हिंदुस्थान एकेडमी, इलाहबाद, तृ. सं. 1960
- डॉ. श्रीवास्तव रणधीर, विद्यापति : एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली 1991
- डॉ. तिवारी रामचंद्र, कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2000
- डॉ. रघुवंश, कबीर : एक नई दृष्टि, लोकभारती प्रकाशन, तृ. सं. 2002
- आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, कबीर, कपूर एण्ड सन्स, दिल्ली, 1952
- डॉ. वर्मा रामकुमार, संत कबीर, संत भवन प्रा. लि. इलाहाबाद, नवम् प्रकाशन, 1999
- डॉ. मिश्र सत्यप्रकाश, मध्यकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ. 1989
- डॉ. श्रीवास्तव रणधीर, जायसी : एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली 1998
- डॉ. शर्मा राजनाथ (संपा) जायसी ग्रंथावली., विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, जायसी और उनका साहित्य संसार, दिल्ली 1959
- डॉ. त्रिगुणायत गोविंद, कबीर ग्रंथावली, सटीक प्रकाशन, दिल्ली., नवीन संशोधित सं. 2001
- आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, डॉ. नामवर सिंह (संपा) पृथ्वीराज रासो, साहित्य भवन, प्रा. लि. इलाहाबाद, पं संशोधित
- बेनीपुरी रामवृक्ष, 'पदावली' कवि विद्यापति, पुस्तक भंडार, पटना. 1965.
- आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, संपादक, 'कबीर', नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी. 1954
- आ. शुक्ल रामचंद्र, संपादक, 'पद्मावत', नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ व्याख्या 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम. ए. भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper II प्रश्नपत्र II

बीज प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास I

उद्देश्य :

- साहित्येतिहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्त्व से परिचित कराना।
- प्राचीन या आदिकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।
- मध्यकालीन साहित्य के युगीन परिवेश से परिचित कराना।
- प्राचीन या आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- प्राचीन या आदिकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन विविध काव्यधाराओं का अध्ययन कराना।
- मध्यकालीन रचनाओं तथा उनके काव्यरूपों, शैलियों का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I

- साहित्येतिहास तथा हिंदी साहित्य का इतिहास
- पाठ्यविषय :
  - साहित्येतिहास : आवश्यकता, महत्त्व और लेखन के विविध प्रयास
  - हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन और प्रवृत्तियाँ
  - आदिकालीन गद्य साहित्य
  - संक्रातिकाल : नामकरण, महत्त्व और कवि

Unit II इकाई II

- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) निर्गुण भक्ति काव्यधारा
- पाठ्यविषय :
  - परिवेश तथा भक्ति आंदोलन, निर्गुण भक्ति काव्यधाराओं (ज्ञनाश्रयी और प्रेमाश्रयी) का सैद्धांतिक अध्ययन
  - निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख संत कवि तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन
  - निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख सूफी कवि तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन

Unit III इकाई III

- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) सगुण भक्ति काव्यधारा
- पाठ्यविषय :
  - परिवेश, सगुण भक्ति काव्यधाराओं का सैद्धांतिक अध्ययन - कृष्णभक्ति और रामभक्ति
  - कृष्णभक्ति काव्यधारा तथा प्रमुख कवि, अष्टछाप, संप्रदाय निरपेक्ष कृष्णभक्ति काव्यधारा
  - प्रमुख कृष्ण भक्त कवियों की रचनाएँ

Unit IV इकाई IV

- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)
- पाठ्यविषय :
  - परिवेश, रीतिकालीन काव्यधाराएँ तथा प्रवृत्तियाँ
  - रीतिकालीन प्रमुख कवि तथा काव्यकृतियाँ
  - रीतिकालीन गद्य साहित्य

संदर्भ ग्रंथ :

- आ. शुक्ल रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी, 2005
- डॉ. नगेंद्र, (संपा.) हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, प्र.सं 1973 ई.
- डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1998 ई.
- डॉ. राजे सुमन, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002
- डॉ. वर्मा रामकुमार, हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- आ. द्विवेदी हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बंबई.1948 ई.
- डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.1998 ई.
- डॉ. गुप्त गणपतिचंद्र, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper III प्रश्नपत्र III

बीज प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान I

उद्देश्य :

- भाषा के स्वरूप तथा भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
- भाषा विज्ञान के इतिहास का अध्ययन कराना।
- भाषाविज्ञान का स्वरूप तथा भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के विविध आयामों से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- भाषा तथा भाषा के विभिन्न रूप
- पाठ्यविषय :
  - भाषा : स्वरूप
  - भाषा के अभिलक्षण
  - भाषा के विभिन्न रूप : मानक भाषा, उपभाषा, बोली, उपबोली, अपभाषा, कूटभाषा,कृत्रिम भाषा, अभिजात भाषा, मिश्रित भाषा
  - भाषाओं का वर्गीकरण : आकृतिमूलक वर्गीकरण, पारिवारिक वर्गीकरण

Unit II इकाई II

- भाषा विज्ञान का इतिहास
- पाठ्यविषय :
  - भाषा विज्ञान : स्वरूप
  - भाषा विज्ञान की प्राचीन तथा आधुनिक भारतीय परंपरा
  - पाश्चात्य विद्वानों का भारतीय भाषाओं पर कार्य

Unit III इकाई III

- भाषा विज्ञान और सहयोगी शाखाएँ
- पाठ्यविषय :
  - भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ
  - भाषा विज्ञान : आवश्यकता और महत्त्व
  - भाषा विज्ञान की सहयोगी शाखाएँ (व्याकरण, कोशविज्ञान, व्युत्पत्तिविज्ञान, भाषाभूगोल, समाजभाषाविज्ञान,उपयोजित भाषा विज्ञान, अभिकलनात्मक भाषा विज्ञान)

Unit IV इकाई IV

- हिंदी भाषा : विविध आयाम
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी की सांविधानिक स्थिति
  - हिंदी भाषा का मानकीकरण और आधुनिकीकरण
  - हिंदी भाषा की निजी प्रकृति और संस्कृति
  - हिंदी व्याकरण और प्रमुख वैयाकरण

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण, - 2005
- डॉ. श्रीमाल नेमीचंद्र, भाषा विज्ञान, श्रुति प्रकाशन, जयपुर
- डॉ. रामकिशोर, आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1992
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा और नागरी लिपि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1992
- डॉ. जैन महावीर सरन, भाषा एवं भाषा विज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1992
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2007

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV A प्रश्नपत्र IV अ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

भाषा प्रौद्योगिकी I

उद्देश्य :

- भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरूप से परिचित कराना।
- संगणक के इतिहास का परिचय कराना।
- हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर की जानकारी देना।
- विविध हिन्दी सॉफ्टवेयर्स का परिचय कराना।

Unit I इकाई I

- भाषा प्रौद्योगिकी
- पाठ्यविषय :
  - भाषा प्रौद्योगिकी : स्वरूप, उद्भव तथा विकास
  - भाषा प्रौद्योगिकी : उद्देश्य
  - भाषा प्रौद्योगिकी : उपयोगिता , भाषिक अनुप्रयोग

Unit II इकाई II

- संगणक का इतिहास
- पाठ्यविषय :
  - संगणक की पृष्ठभूमि : प्रारंभिक स्वरूप
  - संगणक का उद्भव तथा विकास
  - संगणक पीढियाँ और वर्गीकरण

Unit III इकाई III

- संगणक हार्डवेयर
- पाठ्यविषय :
  - हार्डवेयर स्वरूप : अर्थ, परिभाषा
  - संगणक के विविध भागों का अध्ययन
  - संगणक : निवेश तथा बहिर्पात उपकरण
  - संगणक : पारिभाषिक शब्दावली

Unit IV इकाई IV

- संगणक सॉफ्टवेयर
- पाठ्यविषय :
  - सॉफ्टवेयर का स्वरूप : अर्थ, परिभाषा
  - संगणक के सॉफ्टवेयर्स
  - विविध हिंदी सॉफ्टवेयर्स

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ.बोरा राजमल,भारत की भाषाएँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. पुनर्प्रकाशित सं.2015
- डॉ. प्रसाद विनोद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 2012
- बंसल राम, 'विज्ञानाचार्य', कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.2000
- डॉ. मल्होत्रा विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.सं
- डॉ. दीक्षित सूर्यप्रसाद, भाषा प्रौद्योगिकी तथा भाषा प्रबंधन, किताबघर प्रकाशन,नई दिल्ली.
- बंसल राम, 'विज्ञानाचार्य', कम्प्युटर क्या,क्यों और कैसे,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.2001
- भूषण प्रशांत, मानव मित्र कम्प्यूटर, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.सं.2006

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV B प्रश्नपत्र IV ब

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

अनुवाद प्रौद्योगिकी I

उद्देश्य :

- अनुवाद का सैद्धांतिक परिचय कराना।
- अनुवाद का व्यावहारिक परिचय कराना।
- अनुवाद को प्रौद्योगिकी रूप में विकसित होने की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- अनुवाद की उपयोगिता तथा महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- अनुवाद : स्वरूप
- पाठ्यविषय :
    - अनुवाद : स्वरूप
    - अनुवाद : पुन:सृजन, लिप्यंतरण
    - अनुवाद: प्रकार, महत्त्व

Unit II इकाई II

- अनुवाद : प्रक्रिया, तंत्र तथा साधन
- पाठ्यविषय :
    - अनुवाद प्रक्रिया: विभिन्न चरण
    - अनुवाद प्रक्रिया : भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के मत
    - मशीनी अनुवाद : स्वरूप
    - अनुवाद: तंत्र तथा साधन

Unit III इकाई III

- अनुवाद : विविध क्षेत्र तथा उपयोगिता
- पाठ्यविषय :
    - सरकारी, अर्धसरकारी और गैरसरकारी क्षेत्र
    - वैज्ञानिक, साहित्यिक, तकनीकी, पत्रकारिता, जनसंचार क्षेत्र

Unit IV इकाई IV

- अनुवाद की सामाजिक उपादेयता
- पाठ्यविषय :
  - बहुभाषिक समाज में अनुवाद
  - अनुवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान
  - भाषा विकास में अनुवाद की भूमिका
  - अनुवाद के रोजगारोन्मुख अवसर

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. टंडन पूरनचंद, अनुवाद एवं संचार, राजपाल एवं सन्ज़,नई दिल्ली, संस्करण - 2011
- डॉ. कुमार सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण - 2007
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, डॉ. गाबा ओमप्रकाश, अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण-1993
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेंद्र, काव्यानुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण- 1993
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेंद्र, (संपा.) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, 1972
- डॉ. श्रीवास्तव रवींद्र, डॉ. गोस्वामी कृष्णकुमार (संपा.) अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली.
- अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन संदर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, 1999
- केसकर, बालकृष्ण विश्वनाथ, विकसनशील देशों में अनुवाद की समस्याएँ, नॅशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 1967
- डॉ. टंडन पूरनचंद, सेठी हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1998
- डॉ. राणा महेंद्र सिंह, प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम, हर्षा प्रकाशन, आग्रा, संस्करण 2003
- डॉ. अय्यर विश्वनाथ, व्यावहारिक अनुवाद, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, संस्करण 2009

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV C प्रश्नपत्र IV क

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

हिंदी कथा साहित्य I

उद्देश्य :

- उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- नाटककार तथा उनकी नाट्यकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- युगीन परिवेश तथा नाट्य-विकास, प्रवृत्तियों-विशेषताओं से परिचित कराना।
- वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्त्व से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा उपन्यास, नाटक, कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियों-विशेषताओं से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- पाठ्यपुस्तक : दिव्या - यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : दिव्या - यशपाल
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी उपन्यास और यशपाल
  - दिव्या : कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के विविध मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II

- पाठ्यपुस्तक : चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी नाटक और जयशंकर प्रसाद
  - चंद्रगुप्त : कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III

- पाठ्यपुस्तक : एकांकी सप्तक, सं. डॉ. चंपा श्रीवास्तव, प्रो. राजेंद्रकुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
  अध्ययनार्थ एकांकी : स्ट्राइक,मम्मी ठकुराइन,नए मेहमान,सूखी डाल,औरंगजेब की आखिरी रात
- पाठ्यविषय :
  - 'एकांकी सप्तक' के एकांकीकार
  - 'एकांकी सप्तक': कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV

- पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कहानियाँ, सं. डॉ. शंकरलाल शर्मा, डॉ. कंचन शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
  अध्ययनार्थ कहानियाँ: मधुआ,हल्दीघाटी में,आर्द्रा,जहां लक्ष्मी कैद है,पिता,नेलकटर,दाग दिया सच
  - हिंदी कहानी - उद्भव, विकास, विशेषताएँ
  - 'प्रतिनिधि कहानियाँ' : कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. श्रीवास्तव शिवनारायण, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1968
- डॉ. धवन सुषमा, हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1961
- डॉ. नवल किशोर, आधुनिक हिंदी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता, प्रकाशन संस्था, दिल्ली
- डॉ. साहनी भीष्म, मिश्रराम जी (संपा) आधुनिक हिंदी उपन्यास, जाकिर हुसेन कॉलेज, दिल्ली
- डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्रसाद के नाटक, दि मॅकमिलन कंपनी और इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली
- डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन नाटककार, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली 1982
- डॉ. तिवारी रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, इलाहाबाद, तृ. सं 1992.
- डॉ. शर्मा जगन्नाथ प्रसाद, प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1943
- डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिंदी नाटक में संघर्ष चेतना, हरियाणा साहित्य अकादमी चंदीगढ, 1989
- डॉ. मिश्र विश्वनाथ, हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996
- डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी गद्य : विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1999
- डॉ. राय गोपाल,हिंदी कहानी का इतिहास,भाग 2, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली.2011
- डॉ.राय गोपाल, उपन्यास की संरचना, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली.2006

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. ससंदर्भ स्पष्टीकरण - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV D प्रश्नपत्र IV ड

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

हिंदी व्याकरण, मानक लेखन तथा मुद्रित शोधन I

उद्देश्य :

- छात्रों को हिंदी व्याकरण से परिचित कराना
- शुद्ध एवं मानक लेखन कौशल विकसित कराना।
- मुद्रित शोधन से परिचित कराना।
- मुद्रित शोधक के कर्तव्य से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- हिंदी व्याकरण
- पाठ्यविषय :
    - हिंदी व्याकरण : परिभाषा एवं अध्ययन का महत्त्व
    - व्याकरण और उसके अंग
    - वर्ण विचार
    - लेखन और वर्तनी
    - वर्तनी की समस्या

Unit II इकाई II

- शब्द - विचार
- पाठ्यविषय :
    - शब्द भंडार : व्युत्पत्ति तथा इतिहास का आधार
    - अर्थ का आधार
    - ध्वनि बोधक, समूहवाची शब्द, वाक्यांश के स्थान पर एक शब्द
    - शब्द रचना : संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

Unit III इकाई III

- देवनागरी लिपि का मानक रूप
- पाठ्यविषय :
    - देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
    - देवनागरी लिपि सुधार के प्रयत्न
    - देवनागरी लिपि का मानक रूप
    - देवनागरी संख्या एवं अंक लेखन (मानक रूप, अंतर्राष्ट्रीय रूप)

Unit IV इकाई IV

- मुद्रित शोधन
- पाठ्यविषय :
  - मुद्रित शोधन
  - मुद्रित शोधक
  - मुद्रित शोधन कार्य का स्वरूप
  - पृष्ठ सज्जा का महत्त्व

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. गोस्वामी कृष्ण कुमार, आधुनिक हिंदी विविध आयाम, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली.सं.2009
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी का मानक स्वरूप, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली.
- डॉ. झाल्टे दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.2008
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, कुलश्रेष्ठ विजय, प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
- पंत नवीनचन्द्र, मुद्रण के तकनीकी सिद्धांत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली.सं.2017
- डॉ. हरिमोहन, संपादन कला और प्रूफ पठन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली.सं.2017
- डॉ. मेहरोत्रा रमेश चन्द्र, मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
- डॉ. बाहरी हरदेव, व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.सं.2017

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper IV E प्रश्नपत्र IV इ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

हिंदी सम्प्रेषण कौशल

उद्देश्य :

- संवाद कला विकसित कराना।
- व्याकरणिक कौशल से परिचित कराना।
- सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराना।
- छात्रों को हिंदी भाषा अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित कराना।
- हिंदी भाषा की प्रकृति से परिचित कराना।
- भाषा व्यवस्था की जानकारी कराना।

Unit I इकाई I

- हिंदी शब्दावली
- पाठ्यविषय :
  - रिश्ते-नातोंसंबंधी
  - गिनती, दिन और माससंबंधी
  - ऋतु और आबोहवा (वातावरण) संबंधी
  - व्यवसायसंबंधी
  - देश और राष्ट्रसंबंधी
  - वस्त्रोंसंबंधी
  - सब्जी तथा भोजनादि व्यंजनोंसंबंधी
  - पशु-पक्षियोंसंबंधी
  - मुहावरें, कहावतें और लोकोक्तियाँ

Unit II इकाई II

- हिंदी मूल व्याकरण
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी वर्णमाला (Alphabet)
    स्वर, व्यंजन
  - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन, कारक अव्यय
  - वाक्य रचना : परिभाषा, उद्देश्य, विधेय, अन्वय, पदक्रम, वाक्य विश्लेषण, विरामचिह्न
  - काल बोध एवं काल अभिव्याक्ति
  - शुद्ध-अशुद्ध शब्द एवं प्रयोग
  - शुद्ध वाक्य रचना

Unit III इकाई III

- सम्प्रेषण
- पाठ्यविषय :
    - सम्प्रेषण : परिभाषा स्वरूप
    - सम्प्रेषण की प्रक्रिया
    - सम्प्रेषण के विभिन्न नमूने
    - सम्प्रेषण की चुनौतियाँ
    - सम्प्रेषण की बाधाएँ

Unit IV इकाई IV

- हिंदी सम्प्रेषण के क्षेत्र
- पाठ्यविषय :
    - बझार, होटल, कार्यालय स्थानों पर बोलचाल की हिंदी
    - यातायात, वैद्यक, बैंक, वाणिज्य - व्यापार क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी
    - गृहपाठ
        1. हिंदी क्षेत्र के व्यक्ति के साथ बातचीत
        2. हिंदी सिनमा/ फिल्मों को देखना
        3. हिंदी सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखना

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. भाटिया कैलाशचंद्र, भाटिया रचना, व्यावहारिक हिंदी : प्रक्रिया एवं स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1989
- नारंग वैश्ना, संप्रेषणपरक हिंदी भाषा प्रशिक्षण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण 2000
- परमहंस निगमानंद, आदर्श हिंदी, साहित्यागार प्रकाशन, जयपुर, संस्करण 1991
- गुरु कामताप्रसाद, हिंदी व्याकरण, रचना प्रकाशन, जयपुर, संस्करण 2011
- डॉ. भायाणी अनूपचंद्र पु. व्यावसायिक संप्रेषण, राजपाल एण्ड सन्ज, नई दिल्ली.2012

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper V प्रश्नपत्र V

बीज प्रश्नपत्र

सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

उद्देश्य :

- छात्रों को मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- वर्तमान काल में पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- पाठ्यपुस्तक : 'भ्रमरगीत' : कवि सूरदास, संपादक : आ रामचंद्र शुक्ल
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण:क्र.2,13,16,20,23,62,85,95,100,157,168,185,196,210,291,294,310,316,335,366
- पाठ्यविषय :
  - कृष्णभक्ति काव्यधारा, सूरदास : जीवन तथा रचनात्मक परिचय,
  - सूरदासकालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ,
  - 'भ्रमरगीत' : समग्र अध्ययन

Unit II इकाई II

- पाठ्यपुस्तक : 'रामचरितमानस':कवि तुलसीदास
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : उत्तरकांड: (टीकाकार - हनुमान प्रसाद पोद्दार)1 दोहा (क,ख) , 2 (दोहा क, सोरठा ख), 3 दोहा (क,ख,ग), 4 छंद (1),12 दोहा (क,ख) ,12 छंद (1,4),14 दोहा (1,2,3) ,20 दोहा (1,2,3),40 दोहा (1,2,3),44 दोहा (1,2,3),71 दोहा (क ,ख),79 दोहा (2,3,4) ,90 दोहा (क,ख), 97 दोहा (1,2,3),100 छंद (1,2,3),101 छंद (1,2,3),111 दोहा (6,7,8),118 दोहा (1,2,3),119 दोहा (क,ख),121 दोहा (क,ख)
- पाठ्यविषय :
  - रामभक्ति काव्यधारा, तुलसीदास : जीवन तथा रचनात्मक परिचय,
  - तुलसीदासकालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ
  - 'रामचरितमानस': समग्र अध्ययन

Unit III इकाई III

- पाठ्यपुस्तक: 'रीति काव्यधारा' (कवि बिहारी)-संपादक : आ रामचंद्र तिवारी,रामफेर त्रिपाठी
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : दोहे : भक्ति, वियोग शृंगार, प्रकृति, बहुज्ञता, नीति, प्रकीर्ण
- पाठ्यविषय :
  - रीति काव्यधारा, कवि बिहारी : जीवन तथा रचनात्मक परिचय,
  - बिहारीकालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ,
  - कवि बिहारी : समग्र अध्ययन

Unit IV इकाई IV

- पाठ्यपुस्तक : 'रीति काव्यधारा' (कवि भूषण) - संपादक : आ रामचंद्र तिवारी, रामफेर त्रिपाठी
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : रायगड वर्णन, शिवाजी प्रशस्ति, छत्रसाल प्रशस्ति, स्फुट
- पाठ्यविषय :
  - रीति काव्यधारा, कवि भूषण: जीवन तथा रचनात्मक परिचय,
  - भूषणकालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ
  - कवि भूषण : समग्र अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. सिंह कुँवरपाल, भक्ति आंदोलन और लोकसंस्कृति, अनंग प्रकाशन,नई दिल्ली 2002
- डॉ. शर्मा मुन्शीलाल, सूरदास और उनका साहित्य, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
- डॉ. राय लल्लन, मध्यकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि, हरियाना साहित्य अकादमी, चंदीगढ़
- आ. वाजपेयी नंददुलारे, महाकवि सूरदास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करण 1998
- डॉ. मिश्र भगीरथ, तुलसी रसायन, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद.
- डॉ. मिश्र राम प्रसाद, रामचरितमानस : एक अध्ययन, भारतीय ग्रंथ निकेतन,नई दिल्ली,1978
- डॉ. शर्मा मुन्शीलाल, तुलसी का मानस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1995
- डॉ. नगेंद्र, रीतिकाव्य की भूमिका, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.1976
- डॉ. किशोरीलाल, बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद, 2001
- डॉ. सिंह बच्चन, बिहारी का नया मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.सं.1998
- डॉ. मिश्र विश्वनाथ प्रसाद, भूषण, वितान प्रकाशन, वाराणसी, 1961
- डॉ. मिश्र व्रजकिशोर, भूषण मंजूषा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.सं.1972
- डॉ. शर्मा राजपाल, हिंदी वीरकाव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, आदर्श साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली.1974
- डॉ. जोशी शिवलाल, रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्य सदन, देहरादून, सं.1962
- आ. शुक्ल रामचंद्र, संपादक, 'भ्रमरगीत', नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.सं.992
- हनुमानप्रसाद पोद्दार (टीकाकार)- 'रामचरितमानस', गीता प्रेस, गोरखपुर, 32 वाँ सं. सं. 2054,1998
- डॉ. तिवारी रामचंद्र, त्रिपाठी रामफेर, संपादक, रीति काव्यधारा (कवि भूषण), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.सं.1998

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VI प्रश्नपत्र VI

बीज प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास II

उद्देश्य :

- आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के युगीन परिवेश का अध्ययन कराना।
- आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य की (काव्य और गद्य) विभिन्न विधाओं तथा उनके विकास का अध्ययन कराना।
- आधुनिक कालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना।
- प्रमुख (काव्य तथा गद्य) रचनाओं का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I

- आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान
- पाठ्यविषय :
  - भारतेंदु युगीन कविता - परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ
  - महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन कविता - परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ
  - छायावादी कविता - परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ
  - उत्तर छायावादी युगीन कविता - परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ

Unit II इकाई II

- आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान
- पाठ्यविषय :
  - प्रगतिवादी कविता- परिवेश, प्रगतिशील लेखक आंदोलन, प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ, वैचारिक पृष्ठभूमि
  - प्रयोगवादी, नई कविता-परिवेश, प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ, परिवर्तन के सोपान, वैचारिक प्रवाह
  - समकालीन कविता- परिवेश, विविध आंदोलन, प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ, कविता की प्रवृत्तियाँ, वैचारिक प्रवाह, परिवर्तित नवीन सोपान

Unit III इकाई III

- कथा साहित्य का विकास
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास- प्रमुख उपन्यासकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह तथा साठोत्तरी उपन्यास साहित्य
  - कहानी साहित्य का विकास- प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह तथा साठोत्तरी कहानी साहित्य तथा विविध कहानी आंदोलन

- हिंदी नाटक साहित्य का विकास- प्रमुख नाटककार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह तथा समकालीन नाटक

Unit IV इकाई IV

- कथेतर साहित्य का विकास
- पाठ्यविषय :
  - निबंध साहित्य- उद्भव, विकास
  - यात्रा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र : उद्भव, विकास
  - डायरी, पत्र, रिपार्ताज : उद्भव, विकास

संदर्भ ग्रंथ :

- आ. शुक्ल रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी. 2005 वि.
- आ. वाजपेयी नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवी शताब्दी., लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.1983
- डॉ. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद. 1986
- डॉ. धवन सुषमा, हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली. प्र.सं. 1961
- डॉ. रजनीश कुमार, हिंदी कहानी के आंदोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली. प्र. सं 1986
- डॉ. राय विवेकी, हिंदी कहानी : समीक्षा और संदर्भ, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद प्र. सं 1985
- डॉ. नगेंद्र, (संपा.) हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, प्र.सं 1973
- श्री. ठाकुर प्रसाद सिंह, हिंदी निबंध और निबंधकार, हिंदी पुस्तक एजेन्सी., बनारस प्र. सं. 1951
- डॉ. श्रीवास्तव शिवनारायण, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1968
- डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली.1998
- डॉ. राजे सुमन, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.2002
- डॉ. तिवारी रामचंद्र, हिंदी गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, तृ. सं.1992
- डॉ. शर्मा राजपाल, हिंदी वीरकाव्य में सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति, आदर्श साहित्य प्रकाशन, नई दिल्ली. 1974
- डॉ. जोशी शिवलाल, रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्य सदन, देहरादून,1962

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VII प्रश्नपत्र VII

बीज प्रश्नपत्र

भाषा विज्ञान II

उद्देश्य :

- भाषा विज्ञान की विविध शाखाओं से परिचित कराना।
- ध्वनि तथा ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाओं से परिचित कराना।
- पद के स्वरूप का अध्ययन कराना।
- अर्थ और उसके परिवर्तन के कारणों का अध्ययन कराना।
- वाक्य में पदक्रम, भेद तथा परिवर्तन के कारणों से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- ध्वनि विज्ञान
- पाठ्यविषय :
  - ध्वनि विज्ञान : स्वरूप
  - ध्वनि वर्गीकरण तथा उसके आधार
  - ध्वनियों के भेद
  - ध्वनि परिवर्तन के कारण, दिशाएँ और प्रकार

Unit II इकाई II

- पद विज्ञान
- पाठ्यविषय :
  - पद विज्ञान : स्वरूप
  - शब्द, पद तथा संबंधतत्त्व
  - संबंधतत्त्व के भेद
  - पद परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

Unit III इकाई III

- वाक्य विज्ञान
- पाठ्यविषय :
  - वाक्य विज्ञान : स्वरूप
  - वाक्य में पदक्रम
  - वाक्य के भेद
  - वाक्य परिवर्तन के कारण

Unit IV इकाई IV

- अर्थ विज्ञान
- पाठ्यविषय :
    - अर्थ विज्ञान : स्वरूप
    - अर्थ बोध में बाधा
    - अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण - 2005
- डॉ. श्रीमाल नेमीचंद्र, भाषा विज्ञान, श्रुति प्रकाशन, जयपुर
- डॉ. रामकिशोर, आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1992
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा और नागरी लिपि लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1992
- डॉ. जैन महावीर सरन, भाषा एवं भाषा विज्ञान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण, 1992
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण, 2007

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VIII A प्रश्नपत्र VIII अ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

भाषा प्रौद्योगिकी II

उद्देश्य :

- संगणक संबंधित कार्यों का अध्ययन कराना।
- हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन कराना।
- भारतीय लिब्रे ऑफिस, मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस आदि का अध्ययन कराना।
- संगणकसाधित भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी आदि का अध्ययन कराना।

Unit I इकाई I

- भारतीय लिब्रे ऑफिस
- पाठ्यविषय :
  - भारतीय लिब्रे ऑफिस : परिचय, विकास के कारण, विकासक, विविध अनुप्रयोग
  - हिंदी भाषा के लिए यूनिकोड आधारित की-बोर्ड (टाइपिंग टूल)
  - हिंदी भाषा के यूनिकोड आधारित ओपन टाईप फॉण्ट्स

Unit II इकाई II

- मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस
- पाठ्यविषय :
  - मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस - परिचय, विकास के कारण, विकासक
  - मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस विविध अनुप्रयोग
  - मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस हिंदी के विविध संस्करणों का अध्ययन

Unit III इकाई III

- हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी स्वरूप
  - हिंदी भाषा प्रौद्योगिकीसंबंधी भारत सरकार की आठवीं पंचवार्षिक योजना,परियोजनाएँ, विकास कार्यक्रम,
  - हिंदी भाषा के संगणकीय विविध अनुप्रयोग: विविध शब्द संसाधक, धृति संसाधक,
  - देवनागरी तथा संगणक: तकनीकी संबंध

Unit IV इकाई IV

- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का अध्ययन
- पाठ्यविषय :
    - भारतीय भाषाएँ और उनकी लिपियाँ
    - संगणकसाधित भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी
    - मशीनी अनुवाद प्रक्रिया, भारत सरकार द्वारा विकसित विविध सॉफ्टवेयर्स

संदर्भ ग्रंथ :

- आ.वाजपेयी किशोरीदास, भारत की भाषाएँ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.सं.
- डॉ.प्रसाद विनोद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.2011
- बंसल राम, 'विज्ञानाचार्य', कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.सं.
- डॉ. मल्होत्रा विनयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली. सं.1998
- डॉ. दीक्षित सूर्यप्रसाद, भाषा प्रौद्योगिकी तथा भाषा प्रबंधन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली.2002

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VIII B प्रश्नपत्र VIII ब

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

अनुवाद प्रौद्योगिकी - II

उद्देश्य :

- अनुवाद का सैद्धांतिक परिचय कराना।
- अनुवाद का व्यावहारिक परिचय कराना।
- अनुवाद को प्रौद्योगिकी रूप में विकसित होने की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- अनुवाद की उपयोगिता तथा महत्त्व से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- कार्यालयी गतिविधियाँ तथा अनुवाद
- पाठ्यविषय :
  - प्रशासनिक कार्य तथा अनुवाद
  - प्रपत्र, पत्र तथा अर्धशासकीय पत्र का अनुवाद
  - ज्ञापन, आदेश, कार्यालय आदेश, टिप्पणी लेखन का अनुवाद
  - कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, प्रेसनोट तथा प्रेस विज्ञप्तियों का अनुवाद

Unit II इकाई II

- राजभाषा और अनुवाद
- पाठ्यविषय :
  - राजभाषा : अभिप्राय, स्वरूप और आवश्यकता
  - राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संघ की राजभाषा : नीति और क्रियान्वयन
  - राजभाषा के रूप में हिंदी की सांविधानिक स्थिति
  - राजभाषा का कार्यालयीन स्वरूप और अनुवाद

Unit III इकाई III

- वित्त और वाणिज्यिक साहित्य तथा अनुवाद
- पाठ्यविषय :
  - वित्त क्षेत्र : स्वरूप
  - वित्त क्षेत्र का साहित्य : अनुवाद
  - वाणिज्यिक क्षेत्र : स्वरूप
  - वाणिज्यिक क्षेत्र का साहित्य : अनुवाद

Unit IV इकाई IV

- वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी साहित्य अनुवाद
- पाठ्यविषय :
  - वैज्ञानिक साहित्य : परिचय तथा क्षेत्र
  - वैज्ञानिक साहित्य : अनुवाद प्रक्रिया
  - प्रौद्योगिकी साहित्य : परिचय तथा क्षेत्र
  - प्रौद्योगिकी साहित्य : अनुवाद प्रक्रिया

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. टंडन पूरनचंद, अनुवाद एवं संचार, राजपाल एण्ड सन्ज, संस्करण - 2011
- डॉ. कुमार सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण - 2007
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, डॉ. गाबा ओमप्रकाश, अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण-1993
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेंद्र, काव्यानुवाद की समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण- 1993
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेंद्र, (संपा.) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ, शब्दकार प्रकाशन, 1972
- डॉ. श्रीवास्तव रवींद्र, डॉ. गोस्वामी कृष्णकुमार (संपा.) अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली.
- अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन संदर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, 1999
- केसकर, बालकृष्ण विश्वनाथ, विकसनशील देशों में अनुवाद की समस्याएँ, नॅशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 1967
- डॉ. टंडन पूरनचंद, सेठी हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 1998
- डॉ. राणा महेंद्र सिंह, प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम, हर्षा प्रकाशन, आगरा, संस्करण 2003
- डॉ. अय्यर विश्वनाथ, व्यावहारिक अनुवाद, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, संस्करण 2009

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VIII C प्रश्नपत्र VIII क

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

हिंदी कथा साहित्य II

उद्देश्य :

- उपन्यासकार तथा उनके उपन्यासों से परिचित कराना और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- नाटककार तथा उनकी नाट्यकृतियों से परिचित कराना और सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- एकांकीकार तथा उनके एकांकी साहित्य से परिचित कराना और एकांकियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- कहानीकार तथा उनके कहानी साहित्य से परिचित कराना और कहानियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना।
- युगीन परिवेश तथा नाट्य-विकास, प्रवृत्तियों-विशेषताओं से परिचित कराना।
- वर्तमान काल में पठित नाटककार तथा उपन्यासकार एवं उनकी रचनाओं के महत्त्व से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा उपन्यास, नाटक, एकांकी, कहानी साहित्य के विकास, प्रवृत्तियों-विशेषताओं से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- पाठ्यपुस्तक : तमस, भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : तमस, भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- पाठ्यविषय :
  - हिंदी उपन्यास और भीष्म साहनी
  - तमस : कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit II इकाई II

- पाठ्यपुस्तक : जादू का कालीन, मृदुला गर्ग, राजकमल पैपर बैक्स, दिल्ली, सं. 2015
- ससंदर्भ स्पष्टीकरण : जादू का कालीन, मृदुला गर्ग
- पाठ्यविषय
  - हिंदी नाटक और मृदुला गर्ग
  - जादू का कालीन : कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit III इकाई III

- पाठ्यपुस्तक : नये एकांकी - अज्ञेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, सं, 2007
  अध्ययनार्थ एकांकी: बसंत,महाभारत की एक सांझ,भोर का तारा,एक दिन,सीमा रेखा
- पाठ्यविषय:
  - हिंदी एकांकी और एकांकीकार
  - नये एकांकी : कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

Unit IV इकाई IV

- पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कहानियाँ - फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
  अध्ययनार्थ कहानियाँ: रसप्रिया,विघटन के क्षण,आजाद परिंदे,जैव,पुरानी कहानी:नया पाठ,आत्मसाक्षी,
  तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम
- पाठ्यविषय
  - हिंदी कहानी - उद्भव, विकास, विशेषताएँ
  - श्रेष्ठ कहानियाँ - कथ्य तथा शिल्प सौंदर्य
  - समीक्षा के मानदंडों के आधार पर अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ :

- डॉ. श्रीवास्तव शिवनारायण, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदिर, वाराणसी, 1968
- डॉ. धवन सुषमा, हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,1961
- डॉ. नवल किशोर, आधुनिक हिंदी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता, प्रकाशन संस्था, दिल्ली
- डॉ. साहनी भीष्म, मिश्रराम जी (संपा) आधुनिक हिंदी उपन्यास, जाकिर हुसेन कॉलेज, दिल्ली
- डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉ. रस्तोगी गिरीश, समकालीन नाटककार, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली,1982
- डॉ. तिवारी रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, इलाहाबाद, सं.1992
- जयसिंघानी नीतू, स्वातंत्र्योत्तर एकांकी : बदलते मूल्य, राष्ट्रीय हिंदी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- महेन्द्र रामचरण, एकांकी और एकांकीकार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. ससंदर्भ स्पष्टीकरण - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester II सत्र परीक्षा II

Paper VIII D प्रश्नपत्र VIII ड

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

हिंदी व्याकरण, मानक लेखन तथा मुद्रित शोधन II

उद्देश्य :

- छात्रों को हिंदी व्याकरण से परिचित कराना
- शुद्ध एवं मानक लेखन कौशल विकसित कराना।
- मुद्रित शोधन से परिचित कराना।
- मुद्रित शोधक के कर्तव्य से परिचित कराना।

Unit I इकाई I

- रूप-विचार
- पाठ्यविषय :
  - विकारी और अविकारी शब्द
  - लिंग, वचन, काल
  - कारक विचार
  - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, क्रिया, अव्यय

Unit II इकाई II

- वाक्य - विचार
- पाठ्यविषय :
  - पदबंध या वाक्यांश
  - वाक्य के भाग और वाक्य के विश्लेषण
  - वाक्य भेद
  - वाक्य परिवर्तन
  - वाक्य रचना
  - विराम चिह्न

Unit III इकाई III

- हिंदी वर्तनी का मानक रूप
- पाठ्यविषय :
  - उच्चारित एवं लिखित भाषा में अंतर
  - केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत मानक रूप
  - संयुक्त वर्ण, संयुक्त अक्षर मिलाकर अलग लिखने के नियम
  - अनुस्वार चिह्न एवं पंचम वर्ण प्रयोग, चंद्रबिंदु चिह्न का प्रयोग आदि

Unit IV इकाई IV

- मुद्रित शोधन (प्रूफ पठन)
  - पाठ्यविषय :
  - मुद्रित शोधन के प्रकार
  - मुद्रित शोधन के चिह्न
  - मुद्रित शोधक के कर्तव्य
  - मुद्रित शोधन का महत्त्व

संदर्भ ग्रंथ :

- गोस्वामी कृष्ण कुमार, आधुनिक हिंदी विविध आयाम, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, हिंदी का मानक स्वरूप, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- झाल्टे दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- डॉ. तिवारी भोलानाथ, कुलश्रेष्ठ विजय, प्रारूपण, टिप्पण, प्रूफ पठन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
- पंत नवीनचन्द्र, मुद्रण के तकनीकी सिद्धांत, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली.2017
- डॉ. हरिमोहन, संपादन कला और प्रूफ पठन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली.2017
- डॉ. महरोत्रा रमेश चन्द्र, मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
- डॉ. बाहरी हरदेव, व्यावहारिक हिंदी व्याकरण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80

एम.ए भाग I

Semester I सत्र परीक्षा I

Paper VIII E प्रश्नपत्र VIII इ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

पटकथा लेखन तथा लघुपट निर्माण

उद्देश्य :

- पटकथा लेखन तथा लघुपट निर्माण से परिचित कराना।
- पटकथा लेखन के प्रकार्य से परिचित कराना।
- लघुपट निर्माण और उसके सौंदर्यशास्त्र से अवगत कराना।
- पटकथा लेखन और लघुपट निर्माण के लिए प्रेरित करना।
- दृश्य के माध्यम से कथा को विकसित करने की क्षमता निर्माण कराना।
- संवेदन और अंतर्द्वंद्व को समाज के विभिन्न उपादानों के साथ दृश्यात्मक कर सकने की क्षमता निर्माण करना।

Unit I इकाई I

- पटकथा लेखन
- पाठ्यविषय :
  - पटकथा का स्वरूप
  - पटकथा के मूल तत्त्व
  - पटकथा की विषय वस्तु
  - पटकथा का द्वंद्व
  - पटकथा के प्रकार

Unit II इकाई II

- पटकथा प्रगत अध्ययन
- पाठ्यविषय :
  - कहानी रेखा
  - संवाद लेखन
  - लघुपट रूपांतरण
  - दृश्यीकरण संवाद /शूटिंग स्क्रिप्ट

Unit III इकाई III

- लघुपट निर्माण
- पाठ्यविषय :
  - कथा का फिल्मांकन
  - कहानी का दृश्य विभाजन
  - कथा का संपादन
  - कैमरा और उसका महत्त्व

Unit IV इकाई IV

- पटकथा, लघुपट : साहित्य और संस्कृति
- पाठ्यविषय :
  - पटकथा : साहित्य और संस्कृति
  - लघुपट : साहित्य और संस्कृति
  - साहित्य और पटकथा का सौंदर्यबोध
  - साहित्य और लघुपट का सौंदर्यबोध
  - पटकथा और लघुपट का शिल्प एवं अन्य पक्ष
  - साहित्य विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतर

संदर्भ ग्रंथ :

- जोशी मनोहर श्याम, पटकथा लेखन : एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- भंडारी मन्नू, कथा - पटकथा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- मोहन सुमित, मीडिया लेखन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- गौतम रूपचंद, मीडिया लेखन, नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र स्वरूप तथा अंक :

प्रश्न 1. समग्र पाठ्यक्रम पर बहुविकल्पी प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न 2. समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ - 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न 3. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न 4. समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20

	कुल अंक : 80